



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 7, 1993/पौष 17, 1914
No. 3] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 7, 1993/PAUSA 17, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह मलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रसिद्धता

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1993

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पोर्टफोलियो प्रबन्धक) नियम,
1993

आ.का.नि. 4(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय प्रतिभूति
और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 29
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम
जमाती है, अर्थात्—

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पोर्टफोलियो प्रबन्धक) नियम.

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

GI/93

(1)

परिभाषाएं—2 इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित
न हो :—

- (क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम,
1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;
- (ख) "निगमित निकाय" का वहाँ अर्थ होगा जो कंपनी
अधिनियम, 1956 (1956 का 1 की धारा 2 के खण्ड
(7) में या उसके अधीन है
- (ग) "प्रमाणपत्र" से बोर्ड द्वारा दिया गया रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र
अभिप्रेत है ;
- (घ) "पोर्टफोलियो" से किसी व्यक्ति की कुल प्रतिभूति धारिता
अभिप्रेत है ;
- (ङ) "पोर्टफोलियो प्रबन्धक" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो
किसी मुवक्किल के साथ किसी संविदा या ठहाराव के
अनुसरण में, मुवक्किल की ओर से (या तो वैदेशिक पोर्ट-
फोलियो प्रबन्धक के हाथ में या अन्यथा) यथास्थिति मुवक्किल की
प्रतिभूतियों का पोर्टफोलियो या निधि के प्रबन्धक या प्रमाणन
का भार लेता है या सहाह या निवेदन देता है.

(क) "बेवैधित" पोर्टफोलियो प्रबंधक" से कोई ऐसा पोर्टफोलियो प्रबंधक अभिप्रेत है जो पोर्टफोलियो प्रबंधक या संबंधित किसी संविदा के अधीन सहाय्यक भुविक्तन के प्रतिभूतियों का पोर्टफोलियो या निधि के विविधान या प्रबंध के रूप में किसी भी मात्रा तक स्वचालित का प्रयोग करता है या कर सकेगा ;

(ख) "विनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पोर्टफोलियो प्रबंधक) विनियम, 1992 अभिप्रेत है ।

बिना प्रमाणपत्र के किसी व्यक्ति द्वारा पोर्टफोलियो प्रबंधक के रूप में कार्य का न किया जाना :— 3. कोई व्यक्ति पोर्टफोलियो प्रबंधक के रूप में तब तक कोई व्यावसायिक नहीं करेगा जब तक कि इन नियमों के अधीन बोर्ड द्वारा दिया गया उसके पास कोई प्रमाणपत्र न हो ;

परन्तु ऐसा व्यक्ति औपचारिकता के प्रभाव में जाने से पूर्व पोर्टफोलियो प्रबंधक के रूप में काम शुरू या यदि उसके ऐसे पंजीकरण के लिए कोई आवेदन कर दिया है तो उक्त आवेदन के निपटान तक पोर्टफोलियो प्रबंधक के रूप में व्यावसायिक जारी रख सकता है ;

परन्तु यह और कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सर्टिफिकेट) विनियम, 1992 के प्रथम अध्याय में प्रवृत्ति—1. का प्रवृत्ति 2 सर्टिफिकेट के रूप में बोर्ड द्वारा दिए गए प्रमाणपत्र का प्रारण कर रहे किसी सर्टिफिकेट के तहत से इस नियम की कोई बात लागू नहीं होगी ;

परन्तु यह और कि इन नियमों के तहत परन्तु क प्रवृत्ति पोर्टफोलियो प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा कोई सर्टिफिकेट के तहत से पोर्टफोलियो प्रबंधक की लागू नियमों और विनियमों से अलग होगा ।

पोर्टफोलियो प्रबंधक का प्रमाणपत्र संज्ञक किए जाने या नवीकरण के लिए शर्तें :— 4. बोर्ड किसी पोर्टफोलियो प्रबंधक को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए प्रमाणपत्र प्रदान या नवीकरण कर सकेगा अर्थात्—

- (क) पोर्टफोलियो प्रबंधक अपनी प्राप्ति और गठन में किसी परिवर्तन को दृष्टि में अपने व्यावसायिक के आगे अपने के लिए बोर्ड के पूर्व अनुमति प्राप्त करेगा ;
- (ख) वह व्यावसायिक, पंजीकरण या नवीकरण के लिए फीस का रखन का सदाय विनियमों में उपबंधित रीति से करेगा ;
- (ग) वह मुवक्तियों की शिकायतों को दूर करने के लिए पर्याप्त कदम शिकायत प्राप्त होने की तारीख या एक मास के भीतर उठायेगा और प्राप्त हुई शिकायतों की संख्या, प्रकृति और अन्य विनिर्देशों के बारे में बोर्ड को हिसाब देगा ;
- (घ) वह पोर्टफोलियो प्रबंधक द्वारा किए गए व्यावसायिकों की बाबत अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों का पालन करेगा ।

प्रमाणपत्र की शिथिलता की अवधि :— 5. व्यावसायिक, पंजीकरण प्रमाणपत्र या उसका नवीकरण पोर्टफोलियो प्रबंधक को उसके जारी किए जाने की तारीख से तीन वर्षों के अवधि के लिए विधिवान रहगा ।

[फा. संख्या 20 (30) एस ई/92]

वाई जेम्सोमल रेड्डी संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th January, 1993

Securities and Exchange Board of India

(Portfolio Managers) Rules, 1993

G.S.R. 4(E)—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

Short title and commencement.—1. (1) These rules may be called the Securities and Exchange Board of India (Portfolio Managers) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions.—2. In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "body corporate" shall have the meaning assigned to it in or under clause (7) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (c) "certificate" means a certificate of registration issued by the Board;
- (d) "portfolio" means the total holdings of securities belonging to any person;
- (e) "portfolio manager" means any person who pursuant to a contract or arrangement with a client, advises or directs or undertakes on behalf of the client (whether as a discretionary portfolio manager or otherwise) the management or administration of a portfolio of securities or the funds of the client, as the case may;
- (f) "discretionary portfolio manager" means a portfolio manager who exercises or may, under a contract relating to portfolio management exercises any degree of discretion as to the investments or management of the portfolio of securities or the funds of the client, as the case may be.
- (g) "regulations" means the Securities and Exchange Board of India (Portfolio Managers) Regulations, 1993.

No person to act as portfolio manager without certificate.—3. No person shall carry on any activity as a portfolio manager unless he holds a certificate granted by the Board under these regulations :

Provided that such person, who was engaged as portfolio manager prior to the coming into force of the Act, may continue to carry on activity as portfolio manager, if he has made an application for such registration till the disposal of such application.

Provided further that nothing contained in this rule shall apply in case of a merchant banker holding a certificate granted by the Board under the Securities and Exchange Board of India (Merchant Banker) Regulations, 1992 as category I or category II merchant banker, as the case may be:

Provided also that a merchant banker acting as a portfolio manager under the second proviso to this rule shall also be bound by the rules and regulations applicable to a portfolio manager.

Conditions for grant or renewal of certificate to Portfolio manager.—4. The Board may grant or renew a certificate to a portfolio manager subject to the following conditions, namely :—

- (a) the portfolio manager in case of any change in the status and constitution, shall obtain the prior permission of the Board to carry on its activities.
- (b) he shall pay the amount of fees for registration or renewal, as the case may be.

in the manner provided in the regulations;

- (c) he shall take adequate steps for redressal of grievances of the clients within one month of the date of the receipt of the complaint and keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaints received;
- (d) he shall abide by the rules and regulations made under the Act in respect of the activities carried on by the portfolio manager.

Period of validity of the certificate.—5. The certificate of registration or its renewal, as the case may be, shall be valid for a period of three years from the date of its issue to the portfolio manager.

[No. 20(30)SE/92]
Y. VENUGOPAL REDDY, Jt. Secy.

